CMYK

Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

वर्ष- 29 ▫ अंक- 42 ▫ रायपुर, शनिवार 7 मार्च 2026 ▫ पृष्ठ-8 ▫ मूल्य- 2.50 रुपया • रायपुर • जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

घरेलु गैस सिलेण्डर में 60 रुपये व कमर्शियल सिलेण्डर में 114.50 रुपये की हुई बढ़ोत्तरी

कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला

नई दिल्ली, 7 मार्च (न्यूज चैनल)। घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की कीमतों में शनिवार, 7 मार्च से वृद्धि कर दी गई है। देश भर में 14.2 किलोग्राम के घरेलू खाना पकाने वाले गैस सिलेंडर की कीमत में 60 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। इसी तरह, 19 किलोग्राम के व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत में भी आज से 115 रुपये की वृद्धि की गई है, जिससे होटल, रेस्तरां और छोटे व्यावसायिक प्रतिष्ठानों जैसे व्यवसायों पर असर पड़ेगा।

घरेलू और व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडरों की कीमतों में बढ़ोतरी के बाद कांग्रेस ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र पर तीखा हमला बोला। पार्टी ने पीएम को महंगाई मैन बताते हुए आरोप लगाया कि सरकार महंगाई का बोझ सीधे आम लोगों पर डाल रही है। कांग्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि मोदी सरकार ने घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम 60 रुपये बढ़ाकर आम परिवारों के बजट पर सीधा हमला किया है। वहीं 19 किलोग्राम वाले व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 115 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। पार्टी ने यह भी दावा किया कि पिछले तीन महीनों में व्यावसायिक सिलेंडर की कीमत 307 रुपये तक बढ़ चुकी है।

- **ईरान, इजराइल-अमेरिका युद्ध का असर, सप्लाई हो रही प्रभावित**
- **अब 21 दिनों में नहीं होगी सिलेण्डर बुकिंग, एचपी में 30 दिन बाद बुकिंग व इंडियन गैस में भी 21 दिनों में नहीं बुकिंग**

धमतरी, 7 मार्च (हाईवे चैनल)। ईरान, इजराइल-अमेरिका के मध्य हो रही युद्ध का असर अब भारत में पड़ने लगा है। पेट्रोल-डीजल व गैस सिलेण्डर के दाम में उछाल की आंशकाओं के बीच आखिरकार इसकी शुरुआत हो गई है। आज से घरेलु व व्यवसायिक सिलेण्डरों के दाम में वृद्धि हुई है।

मिली जानकारी के अनुसार घरेलु गैस सिलेण्डर कल तक 932.50 रुपये में ग्राहकों को उपलब्ध कराया जा रहा था जिसमें 60 रुपये की वृद्धि हुई है। जिसके बाद आज से 992.50 रुपये सिलेण्डर के भाव हो गए है। इसी प्रकार कर्मशियल सिलेण्डर के दाम 2009 से बढ़कर 2123.50 रुपये हो गए है। इसी प्रकार लगभग 115 रुपये की बढ़ोत्तरी व्यवसायिक सिलेण्डरो में हुई है। उक्त बढ़ोत्तरी से गरीब व मध्यम वर्गीय लोगो के रसोई का बजट गड़बड़ा गया है। ईरान, इजराइल-अमेरिका के मध्य हो रहे युद्ध का असर खाड़ी देशो पर भी पड़ा है। जिससे गैस व पेट्रोल डीजल की सप्लाई भविष्य में और भी ज्यादा प्रभावित हो सकती है। जिसका असर कीमतो में उछाल के रुप में नजर आ सकता है। ऐसे में उक्त युद्ध का अप्रत्यक्ष प्रभाव भारत के सामान्य नागरिकों पर भी नजर आ रहा है।

सिलेण्डरों की बुकिंग में देरी

श्रीबालाजी एचपी गैस एजेंसी धमतरी के संचालक हेतल संघवी ने बताया कि पेट्रोलियम कंपनी से नये आदेश मिले है जिसके तहत अब 21 दिनों बाद होने वाली गैस सिलेण्डरों की बुकिंग 30 दिन बाद हो पाएगी। वहीं धमतरी गैस एजेंसी (इंडियन गैस) के संचालक मोहन अग्रवाल ने बताया कि उन्हें कंपनी की ओर से अभी तक स्पष्ट आदेश नहीं आया है लेकिन संभावनाएं है कि 21 की बजाए डिलीवरी के अब 25 दिनों बाद बुकिंग हो पाएगी। बता दे कि भविष्य में सिलेण्डरों की सप्लाई प्रभावित होने की आंशका है। ऐसे में पेट्रोलियम कंपनियों द्वारा घरेलु उपभोक्ताओं को प्राथमिकता के आधार पर सिलेण्डर उपलब्ध कराने पर जोर दे रही है।

पाकिस्तान में शिया मुसलमानों पर चली गोलियां, 38 की हुई मौत

नई दिल्ली, 7 मार्च (न्यूज चैनल)। पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगिट-बाल्टिस्तान में हालात अचानक विस्फोटक हो गए हैं। शांत माने जाने वाले पहाड़ी शहर स्कार्दू में जो विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ था, वह देखते ही देखते भीषण हिंसा में बदल गया। सड़कों पर हजारों लोग उतर आए, गोलीबारी हुई, सरकारी इमारतों में आग लगा दी गई और पूरे इलाके में तनाव फैल गया। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक हालात इतने बिगड़ गए कि प्रशासन को कई इलाकों में कर्फ्यू लगाना पड़ा। इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर गिलगिट-बाल्टिस्तान में लंबे समय से चल रहे असंतोष और राजनीतिक तनाव को उजागर कर दिया है।

रिपोर्टों के अनुसार पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगिट-बाल्टिस्तान के सबसे बड़े शहर स्कार्दू में पहली मार्च को विरोध प्रदर्शन शुरू हुए थे। इन प्रदर्शनों में बड़ी संख्या में बाल्टी-शिया समुदाय के लोग शामिल थे। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि वे शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रख रहे थे, लेकिन सुरक्षा बलों की कार्रवाई के बाद हालात बिगड़ गए। स्थानीय सूत्रों का दावा है कि प्रदर्शन के दौरान पाकिस्तानी सेना और अर्द्धसैन्य बलों ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए गोलीबारी की। इस गोलीबारी में बाल्टी-शिया समुदाय के कम से कम 38 लोगों की मौत हो गई। बड़ी संख्या में लोग घायल भी हुए हैं। शुरुआती खबरों में 13 लोगों की मौत की बात सामने आई थी, लेकिन बाद में कई घायलों ने अस्पताल में दम तोड़ दिया, जिसके बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 38 तक पहुंच गई।

इतनी बड़ी संख्या में लोगों की मौत की खबर फैलते ही पूरे इलाके में गुस्सा भड़क उठा। प्रदर्शनकारियों ने कई जगहों पर सरकारी इमारतों और सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाना शुरू कर दिया। कई स्थानों पर तोड़फोड़ हुई और कुछ जगहों पर आगजनी की घटनाएं भी सामने आईं। इससे स्कार्दू और आसपास के इलाकों में हालात बेहद तनावपूर्ण हो गए।

ब्रेकिंग न्यूज

जदयू में निशांत संभालेंगे बड़ी जिम्मेदारी, पार्टी नेताओं के साथ की बड़ी बैठक

नई दिल्ली, 7 मार्च (न्यूज चैनल)। बिहार के मौजूदा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार ने शनिवार को जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा के आवास पर वरिष्ठ पार्टी नेताओं और युवा विधायकों के साथ बैठक की। जेडीयू ने पुष्टि की है कि निशांत कुमार रविवार को आधिकारिक तौर पर पार्टी में शामिल होंगे। जेडीयू नेताओं ने आज पार्टी की भावी रणनीति और पार्टी प्रमुख नीतीश कुमार के राज्यसभा सीट के साथ केंद्र में वापसी करने के ऐतिहासिक कदम के बाद आगे बढ़ने के सर्वोत्तम तरीकों पर चर्चा की। निशांत के पार्टी में शामिल होने का समय उनके पिता द्वारा किए गए एक बड़े बदलाव से सीधा जुड़ा है। गुरुवार, 5 मार्च को नीतीश कुमार ने राज्यसभा के लिए अपना नामांकन दाखिल किया, जिससे मुख्यमंत्री के रूप में उनके रिकॉर्ड तोड़ कार्यकाल का अंत हो गया। निशांत के शामिल होने से वंशवादी राजनीति पर नीतीश के रुख में भी बदलाव आया है।

होली के दूसरे दिन स्कूल नहीं खोलने पर हुई कार्रवाई प्रधान पाठक निलंबित

सूरजपुर, 7 मार्च (हाईवे चैनल)। होली के अगले दिन स्कूल नहीं खोलने के मामले में शिक्षा विभाग ने कड़ी कार्रवाई की है। सावांरावां माध्यमिक शाला के प्रधान पाठक संजय कुमार गुप्ता को निलंबित कर दिया गया है। संज्ञान लेकर शिक्षा विभाग के संभागीय संयुक्त संचालक ने निलंबन की कार्रवाई की है।

जानकारी के अनुसार होली त्योहार के अगले दिन यानि गुरुवार को स्कूल नहीं खुला था। स्कूल पहुंचे बच्चे गेट के बाहर बैठकर पढ़ाई करते हुए नजर आए, जिसका वीडियो सामने आया था। इस खबर को हमने प्रमुखता से दिखाया था। मामले को गंभीरता से लेते हुए शिक्षा विभाग ने जांच के बाद प्रधान पाठक संजय कुमार गुप्ता को निलंबित कर दिया है। वहीं इस लापरवाही को लेकर संबंधित संकुल समन्वयक और अन्य शिक्षकों को भी नोटिस जारी किया गया है। शिक्षा विभाग का कहना है कि बच्चों की पढ़ाई से किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न हो, इसके लिए सख्त निर्देश दिए गए हैं।

छत्रपति हत्याकांड में गुरमीत राम रहीम बरी हाईकोर्ट ने 3 दोषियों की सजा बरकरार रखा

नई दिल्ली, 7 मार्च (न्यूज चैनल)। सिरसा के पत्रकार रामचंद्र छत्रपति को अक्तूबर 2002 में उन्हें उनके घर के बाहर गोली मारी गई थी। 21 नवंबर 2002 को उनकी मौत हो गई। 2019 में सीबीआई कोर्ट ने राम रहीम को मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

छत्रपति हत्याकांड मामले में डेरा मुखी को बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने उन्हें इस मामले से बरी कर दिया। हालांकि अन्य तीन दोषियों कुलदीप, निर्मल और किशन लाल की सजा बरकरार रखी गई है। इन सभी को इस मामले में सीबीआई अदालत ने दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा दी है। सिरसा के पत्रकार रामचंद्र छत्रपति की 24 अक्तूबर 2002 को उनके घर के बाहर गोली मार दी गई थी। 21 नवंबर को उनकी मौत हो गई। अगस्त 2002 में अज्ञात पत्र में डेरा की साध्वियों के साथ यौन शोषण और दुष्कर्म के आरोप लगाए गए थे। छत्रपति ने इस पत्र को अपने अखबार में प्रकाशित किया था।

2003 में छत्रपति के बेटे अंशुल छत्रपति की याचिका पर पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने जांच सीबीआई को सौंपी थी। नवंबर 2003 में हाईकोर्ट के आदेश पर सीबीआई ने एफआईआर दर्ज की। 2004 में डेरा सच्चा सौदा ने यह जांच रुकवाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका भी दाखिल की थी, पर सुप्रीम कोर्ट ने यह याचिका खारिज कर दी। करीब 16 साल इस केस की सुनवाई पंचकूला की स्पेशल सीबीआई कोर्ट में चली। सीबीआई ने 2018-2019 में केस में चार्जशीट दाखिल की। कोर्ट ने इसे सुनियोजित साजिश करार देकर राम रहीम, कुलदीप सिंह, निर्मल सिंह और कृष्ण लाल को दोषी करार दिया। गुरमीत राम रहीम ने 2019 के फैसले के खिलाफ अपील दायर की थी। इसमें आज हाईकोर्ट ने उन्हें बरी कर दिया। गुरमीत राम रहीम दो साध्वियों के साथ दुष्कर्म मामले में 20 साल की सजा काट रहे हैं। वे वर्तमान में रोहतक की सुनारिया जेल में बंद हैं।

बालेन शाह का प्रधानमंत्री बनना लगभग तय

नई दिल्ली, 7 मार्च (न्यूज चैनल)। नेपाल की राजनीति में एक अभूतपूर्व उलटफेर की आहट सुनाई दे रही है। 5 मार्च को हुए आम चुनाव के नतीजे आने से पहले ही, पूर्व काठमांडू मेयर बालेन्द्र (बालेन) शाह की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने मतगणना में सुनामी की तरह बढ़त बना ली है। दशकों से सत्ता पर काबिज पारंपरिक राजनीतिक दलों को जनता ने जिस तरह हाशिए पर धकेला है, उससे साफ है कि नेपाल की राजनीति में 36 साल बाद किसी एक दल को प्रचंड बहुमत मिलने की ओर अग्रसर है। इस अभूतपूर्व जीत के साथ, बालेन शाह का अगला प्रधानमंत्री बनना लगभग तय माना जा रहा है। बालेन शाह का यह सफर आसान नही रहा है। साल 2022 में रैप की दुनिया से पहचान बनाने वाले स्ट्रक्चरल इंजीनियर बालेन शाह ने उस वक्त सबको चौंका दिया था, जब उन्होंने नेपाल के बड़े राजनीतिक दलों को हराकर काठमांडू के मेयर का पद जीता। उनका चुनाव चिह्न छड़ी था। उन्हें चुनाव में 61,767 वोट मिले। उन्होंने नेपाली कांग्रेस की सिर्जना सिंह को हराया, जिन्हें 38,341 वोट मिले थे। वहीं, सीपीएन-यूएमएल के उम्मीदवार और पूर्व मेयर केशव स्थापित को 38,117 वोट मिले।

चूहा- सुनती हो, सांसद रूपकुमारी चौधरी कह रही हैं कि विकास कार्य अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।
चुहिया- हां जी, लेकिन विलंब होने के कारण अंतिम में कोई व्यक्ति ही नहीं रहता।

अफीम की खेती : भाजपा ने विनायक ताम्रकार को किया पार्टी से निलंबित

पुलिस ने दो लोगों को लिया हिरासत में

दुर्ग, 7 मार्च (हाईवे चैनल)। जिले में अफीम की अवैध खेती करने का मामला अब सियासी रंग लेने लगा है. मामले में भाजपा नेता विनायक ताम्रकार की संलिप्तता सामने आने के बाद पार्टी ने उसे जहां तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है, वहीं दूसरी ओर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अफीम की खेती देखने गांव पहुंच गए. कुल मिलाकर अफीम की खेती ने दुर्ग के साथ-साथ प्रदेश में सियासी पारा चढ़ा दिया है.

दुर्ग कलेक्टोरेट से महज 12-15 किमी दूर स्थित गांव समोदा में एक दिन पहले ही मक्के के खेती के बीच अफीम की अवैध खेती करने का मामला सामने आया था. बच्चों के खेत में घुसकर तोड़ी गई अफीम की बीज ग्रामीणों के बीच पहले चर्चा का विषय रही. अफीम की पुष्टि होने पर ग्राम सरपंच अरुण गौतम ने बात पुलिस तक पहुंचाई, जिसके बाद मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारी अफीम की खेती के दायरे को देखकर हैरान रह गए. 9 एकड़ में की जा रही अफीम की खेती के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही है. वहीं प्रदेश में अफीम की पहली खेती के राजधानी तक मची हलचल से प्रशासन भी हरकत में आया. कलेक्टर अभिजीत सिंह ने रात में समोदा गांव पहुंचकर अफीम की फसलों का निरीक्षण किया. जानकार अधिकारियों ने मौके पर खेत में अफीम की खेती की पूरी जानकारी दी.

मानसिक चिकित्सालय में भर्ती मरीज ने की आत्महत्या, प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप

बिलासपुर, 7 मार्च (हाईवे चैनल)। राज्य के एकमात्र शासकीय मानसिक चिकित्सालय सेंदरी में शुक्रवार को एक मनोरोगी मरीज ने अस्पताल के बाथरूम में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. मृतक महासमुंद जिले का निवासी बताया जा रहा है, जो एक दिन पहले ही अस्पताल में भर्ती कराया गया था. घटना की जानकारी मिलते ही अस्पताल प्रबंधन ने कोनी थाना पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है. मामला कोनी थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, मरीज लखन लाल साव (35) पिता स्व ईश्वर साव निवासी ग्राम बरना जिला महासमुंद बाथरूम में गया और वहां रोशनदान में गमछा बांधकर फांसी लगा ली, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई. घटना के बाद अस्पताल प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं, क्योंकि यहां मनोरोगी ऐसे हरकत कर सकते हैं, जिसे लेकर विशेष व्यवस्था बनाई जाती है ताकि वे अपने आप को नुकसान न पहुंचा सकें. इससे पहले भी यहां इस तरह की घटना हो चुकी है।

छत्तीसगढ़ मैदानी स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के महामंत्री मुन्ना लाल निर्मलकर ने आरोप लगाया है कि अस्पताल के संचालन पर हर साल लाखों रुपए खर्च किए जाते हैं, लेकिन मरीजों की सुरक्षा को लेकर पर्याप्त इंतजाम नहीं हैं. उन्होंने कहा कि प्रदेश में यही एकमात्र शासकीय मानसिक चिकित्सालय है, जहां अलग-अलग जिलों से मरीज इलाज के लिए आते हैं. इसके बावजूद सुरक्षा व्यवस्था कमजोर है, जिससे इस तरह की घटना हो गई।

तेहरान से तेल अवीव तक मिसाइलों की गूंज, युद्ध में अब तक की सबसे बड़ी तबाही!

नई दिल्ली, 7 मार्च (न्यूज चैनल) ।विश्लेषकों का कहना है कि बार-बार जारी किए गए अलर्ट का उद्देश्य नागरिकों पर दबाव बनाए रखना और उनके दैनिक जीवन को बाधित करना है। सुरक्षा अधिकारियों ने पहले चेतावनी दी थी कि शत्रुता के पहले सप्ताह के दौरान 1,000 तक मिसाइलें दागी जा सकती हैं, हालांकि अब तक लगभग 200 मिसाइलें दागी गई हैं, जिन्हें इजरायली आकलन के अनुसार ईरानी क्षमताओं के खिलाफ उनके सैन्य अभियानों का परिणाम मानते हैं।

मध्य पूर्व में तनाव तब बढ़ गया जब इजरायल रक्षा बलों ने ईरान से कई मिसाइलों के प्रक्षेपण की सूचना दी, जिनमें ग्रेटर तेल अवीव क्षेत्र, मध्य इजरायल और बीर शेवा सहित दक्षिणी क्षेत्रों को निशाना बनाया गया था। कई क्षेत्रों, जिनमें यरुशलम भी शामिल है, में हवाई हमले के सायरन सक्रिय कर दिए गए, क्योंकि रक्षा प्रणालियों ने मिसाइलों को रोकने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी थी। इस बीच, सऊदी अरब ने कहा कि उसकी हवाई सुरक्षा ने एम्प्टी क्वार्टर रेगिस्तान में शायबाह तेल क्षेत्र को निशाना बनाकर दागे गए चार ड्रोनों को रोका, रियाद के पास एक अन्य ड्रोन हमले को रोकने के कुछ घंटों बाद यह घटना हुई। बेरूत में, इजरायली हवाई हमलों ने दक्षिणी उपनगरों को निशाना बनाया, जब सेना ने क्षेत्र से बड़े पैमाने पर लोगों को निकालने का आदेश दिया था, और हिजबुल्लाह से जुड़े ठिकानों को निशाना बनाया। बाद में हिजबुल्लाह ने कहा कि उसके लड़ाकों की लेबनान की बेका घाटी में नबी शीट के पास इजरायली सैनिकों के साथ झड़प हुई। दुबई में अधिकारियों ने हवाई हमले के बाद मामूली मलबा गिरने की घटना की सूचना दी, जिसमें कोई घायल नहीं हुआ। ईरानी अधिकारियों ने डोनाल्ड ट्रम्प के आत्मसमर्पण और नेतृत्व परिवर्तन के बारे में दिए गए बयानों को भी खारिज कर दिया, और इस बात की पुष्टि की कि देश की नेतृत्व प्रक्रिया आंतरिक रूप से निर्धारित की जाती है। अल जज़ीरा की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान से दागी गई कई बैलिस्टिक मिसाइलों ने पूरे इज़राइल में रात भर अलर्ट जारी रखा, जिससे लाखों निवासियों को आश्रय स्थलों में जाने के लिए मजबूर होना पड़ा। इजरायली अधिकारियों ने बताया कि आधी रात से कम से कम पांच मिसाइलों का पता चला है, जो अलग-अलग अंतराल पर दागी गई हैं। विश्लेषकों का कहना है कि बार-बार जारी किए गए अलर्ट का उद्देश्य नागरिकों पर दबाव बनाए रखना और उनके दैनिक जीवन को बाधित करना है। सुरक्षा अधिकारियों ने पहले चेतावनी दी थी कि शत्रुता के पहले सप्ताह के दौरान 1,000 तक मिसाइलें दागी जा सकती हैं, हालांकि अब तक लगभग 200 मिसाइलें दागी गई हैं, जिन्हें इजरायली आकलन के अनुसार ईरानी क्षमताओं के खिलाफ उनके सैन्य अभियानों का परिणाम मानते हैं।

लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला के खिलाफ विपक्ष लामबंद

- **हटाने की मांग वाला प्रस्ताव पेश करेंगे**

नई दिल्ली, 7 मार्च (न्यूज चैनल)। ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस (एआईटीसी) के सांसद पार्टी अध्यक्ष ममता बनर्जी के निर्देशानुसार लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का समर्थन करेंगे। यह घटनाक्रम बजट सत्र के दूसरे चरण से ठीक पहले सामने आया है, जो 9 मार्च से शुरू होने वाला है। इस चरण में तीन कांग्रेस सांसद सदन में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं को बोलने से रोकने के लिए अध्यक्ष ओम बिरला को हटाने की मांग वाला प्रस्ताव पेश करने वाले हैं।

कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद, कोडिकुन्निल सुरेश और मल्लु रवि ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला पर पक्षपात करने और विपक्षी महिला सांसदों के खिलाफ बेबुनियाद आरोप लगाने का आरोप लगाया है। उन्होंने आगे बताया कि जहां विपक्षी सांसदों को जनता से जुड़े मुद्दों को उठाने के लिए बिरला द्वारा पूरे संसदीय सत्र के लिए निलंबित कर दिया गया है, वहीं सत्ताधारी दल के सदस्यों को पूर्व प्रधानमंत्रियों के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने के लिए फटकार नहीं लगाई गई है। लोकसभा की कार्यसूची में लिखा था कि सदन अध्यक्ष के आचरण को ध्यान में रखते हुए, जिसमें विपक्ष के नेता और अन्य विपक्षी नेताओं को बोलने से रोकना, विपक्षी महिला सांसदों पर निराधार आरोप लगाना, जनता से जुड़े मुद्दों को उठाने के लिए विपक्षी सांसदों को पूरे सत्र के लिए निलंबित करना और पूर्व प्रधानमंत्रियों के खिलाफ पूरी तरह से आपत्तिजनक और अपमानजनक टिप्पणी करने वाले सत्ताधारी दल के सदस्यों को फटकार न लगाना शामिल है, यह महसूस होता है कि उन्होंने सदन के सभी वर्गों का विश्वास हासिल करने के लिए आवश्यक निष्पक्ष रवैया खो दिया है। कांग्रेस सांसदों ने बिरला पर सभी विवादास्पद मामलों पर खुले तौर पर सत्ताधारी दल का पक्ष लेने का भी आरोप लगाया और कहा कि ऐसा आचरण लोकसभा के सुचारू संचालन के लिए खतरा है। इसी बीच, सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और विपक्षी कांग्रेस दोनों ने अपने लोकसभा सांसदों को %तीन-पंक्ति का व्हिप% जारी किया, जिसमें उनसे 9 से 11 मार्च तक सदन में उपस्थित रहने की अपेक्षा की गई।

CMYK